बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

जून, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची **पेज नं.**

(A)	बालासोर ट्रेन हादसे के पीड़ितों को सहायता	**03**
(B)	जून के मध्य में बिहार लू से प्रभावित रहा, उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक	**05**
(C)	एनडीएमए के संयुक्त सचिव ने बीएसडीएमए की गतिविधियों की जानकारी ली, कार्यों को सराहा	**06**
(D)	सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण	**08**
(E)	जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से राज्यस्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षण कार्यक्रम	**09**
(F)	अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण	**11**
(G)	"सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंतर्गत युवकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण	**12**
(H)	बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण	**13**
(I)	एनसीसी शिविर में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल	**16**
(J)	आईआईएससी, बेंगलुरु के विशेषज्ञों के साथ बैठक	**17**
(K)	राज्य के ऐतिहासिक धरोहर भवनों का रखरखाव	**18**
(L)	एनआईडीएम के सहयोग से परिचर्चा का आयोजन	**19**
(M)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	**20**
(N)	जून माह की व्यय विवरणी	**21**
O)	जन—जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	**22**

(A) बालासोर ट्रेन हादसे के पीड़ितों को सहायता

ओड़िशा के बालासोर में हुए भीषण ट्रेन हादसे ने देश के कई राज्यों, विशेषकर बिहार को प्रभावित किया। मृतकों और घायलों की सूची में बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं। हादसे में जीवित बच गए लोग धीरे–धीरे अपने घर वापस आने लगे। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों को तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक सहायता के लिए पहल की। प्राधिकरण और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों ने मिलकर एक बहुत ही असाधारण और सार्थक प्रयास किया। माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 09–06–2023 को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, बीआईएजी और यूनिसेफ की एक बैठक आयोजित की गई। माननीय उपाध्यक्ष की भावुक अपील पर और माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा के सक्रिय नेतृत्व के साथ गैर सरकारी संगठन और प्राधिकरण के पदाधिकारी तुरंत ही प्रभावित जिलों में जाकर पीड़ित परिवार से मिले। वहां से पीड़ित परिवारों की प्रारंभिक सर्वेक्षण रिपोर्ट भेजी। जरूरतमंद परिवार को 15 दिनों के लिए भोजन के पैकेट के माध्यम से तत्काल राहत प्रदान की गई। कुछ परिवारों को जहां जरूरत महसूस हुई, नकद सहायता राशि भी प्रदान की गई। बीएसडीएमए के पेशेवर डा. बी के सहाय, सलाहकार डॉ अनिल कुमार, वरिष्ठ सलाहकार श्री दिलीप कुमार, वरीय शोध पदाधिकारी श्री नीतीश चौधरी व श्री आलोक कुमार, माननीय सदस्य के आप्त सचिव श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने राज्य के दूर–दराज के क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने पीड़ितों को उनके दरवाजे पर सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माननीय उपाध्यक्ष व माननीय सदस्य की पहल पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2–2 लाख रूपये और प्रत्येक घायल को 50–50 हजार रूपये की राहत देने की घोषणा की। प्रभावित जिला के सभी जिलाधिकारियों को सलाह दी गई कि प्रत्येक घायल की उनके घर पर विस्तृत चिकित्सीय जांच की जाए और सरकार द्वारा उनके आगे के इलाज की व्यवस्था की जाए।

इसी संदर्भ में गैर सरकारी संगठनों के साथ बीएसडीएमए की एक और बैठक 16–06–2023 को हुई और उन्होंने पीड़ितों के दरवाजे पर उनके 3 दिनों के प्रारंभिक सर्वेक्षण अभियान के दौरान अनुभवों और बाधाओं को साझा किया। इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय लिया गया कि बीएसडीएमए के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अनिल कुमार बालासोर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों से संबंधित सभी कार्यों के लिए गैर सरकारी संगठनों, टीआईएसएस और अन्य एजेंसियों व विभागों का समन्वय करेंगे। गैर सरकारी संगठनों द्वारा एकत्र किए गए डेटा को यूनिसेफ में बनाए गए केंद्रीय सॉफ्टवेयर में डाला गया था। पीड़ित परिवारों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण टीआईएसएस, मुंबई की प्रोफेसर जैकलीन जोसेफ द्वारा किया गया। उन्होंने डेटा के विभिन्न प्रारूप साझा किए ताकि सरकार या अन्य को जहां भी जरूरत हो, हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाया जा सके।

मजलूम खातून (पत्नी स्व कासिम मियाँ) , बरवा, जोगापट्टी, पश्चिम चम्पारण के घर पर BSDMA के अधिकारी

इसी क्रम में बीआरएलपीएस, बिहार की जीविका से संपर्क किया गया। 16–06–2023 को उनके साथ विस्तृत बैठक हुई। जीविका के अधिकारियों–स्वयंसेवकों ने बड़े पैमाने पर काम किया और वे पीड़ित परिवारों से जुड़े रहे और यह आकलन किया कि वे क्या तत्काल सहायता प्रदान कर सकते हैं। जीविका और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से बीएसडीएमए अधिकारियों ने मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, मुंगेर, भागलपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी जिलों में पीड़ित परिवारों के साथ दूसरे दौर की मुलाकात की। उनकी दिक्कतों को समझने का प्रयास किया गया। जहां भी आवश्यकता महसूस हुई, पीड़ित परिवारों को उनकी समस्याओं के समाधान में सुविधा प्रदान की गई। यह देखा गया कि आजीविका के लिए जीविका बहुत प्रभावी भूमिका निभा सकती है और उन्हें सतत जीविकोपार्जन योजना के माध्यम से कार्य करने की आवश्यकता है। टीआईएसएस के सहयोग से पुनर्वास कार्य योजना भी तैयार की गई है।

मीडिया में BSDMA के इस प्रयास की चर्चा ⇨

दैनिक भास्कर मुजफ्फरपुर 15-06-2023

ओडिशा ट्रेन हादसा : हरेंद्र मांझी का पुतला बनाकर किया गया दाह संस्कार

भास्कर न्यूज | साहेबगंज

बालासोर ट्रेन हादसा में मृत साहेबगंज के तीन मजदूरों में से नगर परिषद साहेबगंज के वार्ड 25 के लापता हरेंद्र मांझी का शव आज तक परिजनों को नहीं मिला है। परिजनों द्वारा जिस शव की पहचान लापता हरेंद्र मांझी के रूप में की गई, उस शव के कई दावेदार सामने आने पर प्रशासन ने दावा करने वाले परिजनों के पुत्र का डीएनए टेस्ट कराया। उसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है। वहीं शव गृह में रखे शव के गल जाने के कारण लापता हरेंद्र मांझी के परिजनों ने मृतक का पुतला बनाकर उसका दाह संस्कार कर दिया। पुत्र रवि कुमार ने मुखाग्नि दी। उपर्युक्त जानकारी वार्ड पार्षद बुंदेल पासवान ने दी। वार्ड पार्षद ने बताया कि अभी तक हरेंद्र मांझी के पुत्र रवि कुमार का डीएनए की रिपोर्ट को रेलवे प्रशासन ने नहीं बताया है। आपदा प्राधिकरण के परामर्शी बी के सहाय के निर्देश के बाद जीविका के बीपीएम दिलीप कुमार ने ट्रेन हादसा में मृत नवलेश मांझी, मनोहर मांझी, हरेंद्र मांझी और घायल विनोद दास के परिजनों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया है।

(B) जून के मध्य में बिहार लू से प्रभावित रहा, उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

11 जून से 20 जून 2023 तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में लू की स्थिति रही, जिसके कारण बिहार में 11 लोगों की मृत्यु हुई। इसके लिए 21–06–2023 को बिहार सहित सभी हीटवेव प्रभावित राज्यों के लिए ऑनलाइन मोड में माननीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद रॉय की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

राज्य में हीट एक्शन प्लान की पहले ही समीक्षा कर ली गयी है। शमन उपाय के रूप में पूर्वानुमान, पूर्व चेतावनी और चेतावनी की सभी कार्रवाइयों का लगातार पालन किया गया। बिहार ने प्रभाव को कम करने के लिए अपने हीट एक्शन प्लान के अनुरूप कार्रवाई की। ताप कार्य योजना को संशोधित करने की कार्रवाई चल रही है। जून, 2023 के मध्य में राज्य के अधिकांश हिस्से में गर्मी की तपिश को देखते हुए जिलों के ताप भेद्यता सूचकांक का नए सिरे से आकलन करने की आवश्यकता है।

डीआरआर रोडमैप का संशोधन प्रगति पर

माननीय उपाध्यक्ष, बीएसडीएमए के मार्गदर्शन में डीआरआर रोडमैप संशोधन चल रहा है। यूनिसेफ सलाहकार सुश्री वंदना अद्यतनीकरण कार्य संभाल रही हैं। जहां भी आवश्यकता हो, डीएमआई को सभी सहायता प्रदान करना आवश्यक है। इस परियोजना के लिए समग्र समन्वय बीएसडीएमए द्वारा किया जा रहा है। जैसा कि माननीय उपाध्यक्ष के स्तर पर योजना को अंतिम रूप दिया गया है, संशोधित रोड मैप दस्तावेज का पहला मसौदा संस्करण जुलाई 2023 तक तैयार हो जाएगा और इसे बीएसडीएमए, डीएमडी द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। संशोधित रोड मैप दस्तावेज का अंतिम मसौदा अगस्त 2023 तक तैयार हो जाएगा। विभागों का संवेदीकरण सितंबर 2023 तक किया जाएगा। संशोधित रोड मैप का लॉन्च अक्टूबर 2023 तक तय किया गया है।

(C) एनडीएमए के संयुक्त सचिव ने बीएसडीएमए की गतिविधियों की जानकारी ली, कार्यों को सराहा

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के संयुक्त सचिव श्री कुणाल सत्यार्थी ने 28 जून को सरदार पटेल भवन स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) कार्यालय में प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत व माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात की। प्राधिकरण के प्रोफेशनल्स के साथ हुई बैठक में उन्हें प्राधिकरण के फ्लैगशिप कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बीएसडीएमए के बैनर तले अभी तक तकरीबन 6000 सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 9500 युवाओं को प्रशिक्षण देने का एनडीएमए का लक्ष्य बीएसडीएमए शीघ्र ही हासिल कर लेगा। दिव्यांगजनों को आपदाओं में सुरक्षित रखने के प्राधिकरण के प्रयासों के बारे में उन्हें बताया गया। श्री सत्यार्थी ने इस कार्यक्रम की तारीफ करते हुए बताया कि केरल में भी इस दिशा में बेहतर काम हो रहा है। बीएसडीएमए को वहां का मॉडल भी देखना चाहिए। सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम और जीविका दीदियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री सत्यार्थी ने गहरी दिलचस्पी ली। 16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक पर राज्य भर के अस्पतालों को अग्नि सुरक्षा की दृष्टि से महफूज बनाने के प्रयासों को उन्होंने सराहा। श्री सत्यार्थी ने कहा कि बीएसडीएमए में इतना कार्य हो रहा है, लेकिन इसकी सूचना एनडीएमए तक नहीं पहुंचती है।

बैठक में उन्होंने एनडीएमए के कार्यों और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और बीएसडीएमए को इन योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। सामुदायिक स्वयंसेवकों (आपदा मित्र) के प्रशिक्षण कार्यक्रम में गति लाने का सुझाव दिया। श्री सत्यार्थी ने बताया कि यह कार्यक्रम अब नए सिरे से लॉन्च करने की तैयारी हो रही है। एनसीसी, एनएसएस, एनवाईके और भारत स्काउट एंड गाइड के बच्चों को अब कैंप में ही सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें उन्हें विभिन्न आपदाओं के बारे में बताया जाएगा।

एनडीएमए की आगामी योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि देश भर के 207 जिलों के लिए वज्रपात से सुरक्षा की 840 करोड़ रुपये की योजना लाई जा रही है। इसमें बिहार के भी कई जिले शामिल हैं। इसी तरह भूकंप से बचाव के लिए 5.50 हजार करोड़ रुपये की एक योजना पांच साल के लिए लांच की जाने वाली है 12 राज्यों में 100 करोड़ रुपये की सूखा शमन योजना भी बनाई जा रही है। आगामी 7 तारीख को इसे लेकर बैठक है। नदियों के कटाव पर एनडीएमए में बड़ा काम हो रहा है। बिहार भी इसमें भागीदार हो सकता है।

बैठक के बाद श्री सत्यार्थी ने राजधानी के मालसलामी स्थित ओपी शाह सभागार में चल रहे सामुदायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। वहां के कार्यक्रम से प्रभावित होकर उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपे। उनके साथ बीएसडीएमए के वरीय सलाहकार श्री नीरज कुमार और एसआरओ श्री रवि आनंद भी मौजूद रहे।

(D) सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें, तो वे अपने जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है। विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करने में ये युवा अपने समुदाय के मददगार साबित हो सकें, इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है। गांव, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न आपदाओं की प्रवणता की जानकारी हासिल कर उन आपदाओं के जोखिम–न्यूनीकरण तथा प्रबंधन में समुदाय की सहायता करने हेतु स्वयं को तैयार करने में युवा पूरे जोश के साथ भाग लेते हैं। इसी क्रम में जून माह में दिनांक 01–06–2023 से 12–06–2023 तक जिला सहरसा, मधेपुरा, समस्तीपुर, किशनगंज, सिवान, शिवहर, मधुबनी, मुंगेर, लखीसराय एवम् दिनांक 19–06–2023 से 30–06–2023 तक जिला मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्वी चंपारण, वैशाली, सिवान, समस्तीपुर, जमुई, गोपालगंज, मधुबनी के स्वयंसेवकों को ओ.पी. साह सामुदायिक भवन, मालसलामी, पटना में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। इस तरह प्राधिकरण की ओर से अब तक कुल 5258 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस कार्यक्रम के दौरान दिनांक 21 जून को योग दिवस उल्लास एवं उमग के साथ मनाया गया। योग दिवस के उपलक्ष पर लगभग 900 लोगों ने एक साथ श्री श्यामानद शाह, योग अनुदेशक के नेतृत्व में योग किया।

(E) जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से राज्यस्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षण कार्यक्रम

राज्य में जीविका दीदियों की संख्या एक करोड़ तीस लाख है। सभी जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। प्रशिक्षण के पहले चरण में सभी जिलों के जीविका के चयनित क्षेत्रीय समन्वयक एवं सामुदायिक समन्वयक को राज्य स्तर पर 11 बैचों में प्रशिक्षित किया गया। कुल 279 मास्टर ट्रेनर्स बनाए गए। इन्हीं राज्यस्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से जीविका दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रशिक्षण में गति लाने एवं प्रभावकारी बनाने के उद्देश्य से सभी प्रखण्ड परियोजना प्रबंधकों एवं प्रबंधक (सामाजिक विकास) को राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रथम मॉड्यूल ''प्राकृतिक आपदाएं'' पर आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन को समाहित करते हुए जीविका दीदियों को प्रशिक्षण

दिया जा सके। उपरोक्त के आलोक में दिनांक 5 जून, 2023 से प्रशिक्षण राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पटना में आरंभ किया गया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्रवण कुमार, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, सचिव श्री मीनेंद्र कुमार एवं जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री राहुल कुमार उपस्थित थे। इन्होंने अपने संबोधन से प्रशिक्षणार्थियों का मनोबल बढ़ाया। माह जून 2023 में चार बैचों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 150 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया जो इस प्रकार हैः–

क्र0 सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
5	16–18 नवम्बर, 2021	सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज	17
6	07–09 दिसम्बर, 2021	लखीसराय, भोजपुर, बक्सर, सारण एवं वैशाली	32
7	21–23 दिसम्बर, 2021	मुंगेर, नालंदा, नवादा, बांका एवं वैशाली	29
8	02–04 मार्च, 2022	गया, जहनाबाद एवं अरवल	21
9	14–16 मार्च, 2022	कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास एवं पटना	21
10	29–31 मार्च, 2022	शेखपुरा, पटना, जमुई एवं खगड़िया	23
11	20–22 फरवरी, 2023	भोजपुर, जहानाबाद, बांका, रोहतास, बेगूसराय, लखीसराय, किशनगंज, नालंदा, कैमूर, गया, शिवहर एवं सीतामढ़ी	28
12	05–07 जून, 2023	पटना एवं भोजपुर	39
13	12–14 जून, 2023	बक्सर एवं कैमूर	31
14	19–21 जून, 2023	रोहतास एवं नालन्दा	40
15	26–28 जून, 2023	गया एवं नवादा	40
		कुल	429

(F) अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

विभिन्न आपदाओं की दृष्टि से बिहार राज्य देश के सर्वाधिक आपदा प्रवण राज्यों में से एक है। राज्य के सभी जिले भूकम्प के सर्वाधिक संवेदनशील जोन (पांच, चार, तीन) के अन्तर्गत आते हैं। उल्लेखनीय है कि अभी तक भूकम्प पूर्वानुमान की कोई सटीक सूचना प्रणाली विकसित नहीं हुई है। भूकम्प को रोका नहीं जा सकता किन्तु इससे निपटने की पूर्व तैयारी एवं जन–जागरूकता से इसके कारण होने वाली जान एवं माल की क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह भी सच है कि भूकम्प से किसी की जान नहीं जाती, किन्तु भूकम्प के कारण ढहने वाले कमजोर भवनों में दबकर जन हानि होती है। अतएव भवनों को भूकम्परोधी बनाकर काफी हद तक हम जान–माल की क्षति को कम कर सकते हैं। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को भूकंप के दौरान होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5,000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20,000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। इसके लिए आवश्यक है कि निर्माण कार्य में संलग्न सभी साझेदारों का क्षमतावर्द्धन किया जाए तथा आमजन को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण के संदर्भ में जागरूक किया जाए। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से देश के लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान पटना स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) द्वारा एक कांसेप्ट नोट प्राधिकरण को समर्पित किया गया। समीक्षोपरान्त आई.आई.टी. को प्रस्ताव में आवश्यक संशोधन हेतु कहा गया है।

आरवीएस गाइडलाइन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आईआईटी, पटना के बीच संपन्न करार के तहत रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग (आरवीएस) गाइडलाइन तैयार कर ली गई है। आईआईटी पटना द्वारा आरवीएस गाइडलाइन का अन्तिम प्रारूप तैयार कर प्राधिकरण को समर्पित किया गया है। इस मार्गदर्शिका के जरिये पुराने मकान को बिना तोड़ फोड़ किए, उसे आंखों से देख कर और छूकर यह पता लगाया जा सकेगा कि यह मकान भूकंप को बर्दाश्त कर पाएगा या नहीं। आमजन को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण के लिए जागरूक करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। उक्त मार्गदर्शिका को संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजी जानी है। इस हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है

बी एस टी एन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) की स्थापना

बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था। उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्यवाही हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया। इधर, राज्य के विभिन्न जिलों में नवनिर्मित बीएसटीएन फील्ड स्टेशन में जल रिसाव की सूचना मिली थी। इस आलोक में भवन निर्माण निगम एवं प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने छपरा, गोपालगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर निरीक्षण के दौरान पाया था कि जल रिसाव की समस्या को ठीक कर लिया गया है। शेष स्टेशन भवनों की पूर्णता के सम्बन्ध में प्रतिवेदन भवन निर्माण निगम द्वारा अपेक्षित है।

(G) "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

मई, 2019 में प्राधिकरण के बैनर तले डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से ''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न जिलों के चिह्नित अंचलों के गांवों के चयनित युवक/युवतियों को निर्धारित अर्हताओं के अनुसार मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षुओं को रिसोर्स पर्सन सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य के बारे में बताते हैं। तैराकी प्रशिक्षण, डूबते को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार की विधि आदि विषयों पर नौ दिवसीय सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

बैच सं0	तिथि	जिला	प्रखण्ड	स्थान	कुल मास्टर ट्रेनर्स
18वां	22.06.2023 से 30.06.2023तक	मुंगेर	सदर, बरियारपुर, हवेली खड़गपुर एवं धरहरा	NINI	35
कुल=					35

जून माह 2023 तक कुल 18 बैचों में पटना, वैशाली, खगड़िया, बेगूसराय, भोजपुर, गया, बांका, गोपालगंज, कटिहार, सारण, पूर्णिया, भागलपुर, औरंगाबाद, पूर्वी चंपारण, सुपौल, नवादा, अररिया एवं मुंगेर जिलों के कुल 449 (425 युवकों एवं 24 युवतियों) को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इन मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से समुदाय स्तर पर 6–18 आयु वर्ग के बालक –बालिकाओं का तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(H)बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण

राज्य में डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाने के उद्देश्य से सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन पूर्णिया एवं पटना की ओर से चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 06 से 18 आयु वर्ग के बालकों का प्रशिक्षण अप्रैल–मई माह, 2023 में पुनः संचालित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन संबंधित जिला प्रशासन द्वारा NINI, पटना में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से किया जाता है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालकों को 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित घाटों पर बनाए गए अस्थायी तरणताल में प्रदान किया जाता है। जून माह 2023 में समुदाय स्तर पर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0 सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड/साइट	प्रशिक्षण की तिथि (जून माह 2023)	बैचों की संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालक, बालिकाओं की संख्या (सीओ/ मास्टर ट्रेनर्स से प्राप्त सूचना के अनुसार)
01	पूर्णिया	बैसा (खपड़ा)	01.06.2023 से 12.06.2023 04 .06.2023 से 15 .06.2023	02	120
		अमौर (नितेंदर)	01.06.2023 से 12.06.2023 04 .06.2023 से 15 .06.2023	02	
02	पटना	मनेर, शेरपुर	02.06.2023 से 13.06.2023 15.06.2023 से 26.06.2023	02	57
03	गोपालगंज	थावे, विदेशी टोला पोखरा में + पीपराही पुल के पास दहा नदीं में	25 .05.2023 से 05.06.2023 06 .06 .2023 से 17.06.2023	02	60
04	भोजपुर	शाहपुर प्रखण्ड	31.05.2023 से 11.06.2023 13.06.2023 से 24.06.2023	02	60
05	बेगूसराय	बलिया	22.05.2023 से 02.06.2023 03.06 .2023 से 14 .06.2023 15 .06 .2023 से 26.06.2023	03	72
		साहेबपुर कमाल	01.06 .2023से12.06.2023 13.06 .2023से24.06.2023	02	60
06	वैशाली	महनार (नगर निगम बाजार घाट एवं हसनपुर चेतनाथ घाट)	23 .05.2023 से 03.06.2023 04.06 .2023 से 15.06.2023 16 .06 .2023 से 27.06.2023	06	150
07	खगड़िया	खगड़िया कुल साइट की संख्या –03परबत्ता–02 गोगरी –01	05.06 .2023 से 16.06.2023	03	90
08	बांका	ओढ़नी डैम कुल साइट की संख्या –01	30 .05 .2023 से 10.06.2023 12.06 .2023 से 23 .06.2023	02	60
09	गया	फतेहपुर (बलुआ)	01 .06 .2023 से 12.06.2023 05.06 .2023 से 16.06.2023 13.06 .2023 से 24.06.2023	04	120

			18.06 .2023 से 29.06.2023		
10	सारण	सोनपुर सबलपुर घाट	23.05.2023 से 03.06.2023 08.06 .2023 से 16.06.2023	02	60
11	कटिहार	मनसाही, कोढ़ा एवं फलका	29.05.2023 से 09.06.2023 10.06 .2023 से 21.06.2023	06	180
कुल					1089

जून माह, 2023 में 11 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित स्थलों पर कुल 1089 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 2355 +1089=3444 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(I) एनसीसी के शिविरों में सड़क सुरक्षा उपाय, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होनेवाले नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविरों के दौरान युवा कैडेटों को एनसीसी उड़ान एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के सहयोग से सड़क सुरक्षा के उपायों व प्राथमिक उपचार की जानकारी दी जाती है। साथ ही प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण किया जाता है एवं मॉकड्रिल संपन्न करवाया जाता है। इनके बीच हस्त पुस्तिकाओं/ प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण भी किया जाता है। अभी तक उल्लिखित कार्यक्रम में कुल 56 कैम्स में 24013 एन. सी. सी. कैडेट्स ने भाग लिया।

(J) आईआईएससी, बेंगलुरु के विशेषज्ञों के साथ बैठक

बाढ़ से होने वाले नुकसान को रोकने के उद्देश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरु के साथ एक समझौते पर दस्तखत किया है। इसके तहत आईआईएससी बिहार के लिए बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने का काम करेगी। इसे लेकर आईआईएससी, बेंगलुरु के विशेषज्ञों के साथ 21 जून को प्राधिकरण के सभाकक्ष में एक बैठक हुई। इस बैठक में प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत व माननीय सदस्य मनीष कुमार वर्मा सहित एफएमआईएससी और बिहार मौसम सेवा केंद्र के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

सीडीएमपी के अनुमोदन की प्रक्रिया जारी

बिहारशरीफ एवं दरभंगा शहरी क्षेत्र की नगरीय आपदा प्रबंधन योजना प्राधिकरण स्तर पर अनुमोदित की जा चुकी है। पटना शहर की नगरीय आपदा प्रबंधन योजना अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

1–राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा के लिए क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य को पूर्णता प्रतिवेदन प्राधिकरण को भेजने का अनुरोध किया गया है।

2–मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु इंस्टीट्यूट की तरफ से एक प्रस्ताव प्राधिकरण में समर्पित किया गया है जिसकी समीक्षा प्राधिकरण स्तर पर की जा रही है।

(K) राज्य के ऐतिहासिक धरोहर भवनों का रखरखाव

बिहार की ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव सम्बंधित विषय पर एक शोध प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किया गया है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.आई.टी.), पटना के प्रो. संजीव सिन्हा द्वारा फोटोग्रामेट्री तकनीक का उपयोग करते हुए इनके रेट्रोफिटिंग विषय पर आगे का कार्य किया जाना है। इस सम्बन्ध में प्रो. सिन्हा द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

एन.आई.टी. ने अध्ययन प्रस्ताव सौंपा

एन.आई.टी. पटना के प्रो. संजीव सिन्हा द्वारा भूकम्प संवेदनशील जिलों के Soil Liquefaction Study से सम्बंधित सहमति पत्र का मसौदा (एमओयू) प्राधिकरण को समर्पित किया गया है।

(L) एनआईडीएम के सहयोग से परिचर्चा का आयोजन

प्रतिकूल मौसम की चरम स्थितियों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के उपायों (Disater Risk Reduction Measure for Extreme Weather Events) पर बृहत परिचर्चा के लिए दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी), गया में चार दिवसीय प्रशिक्षण (30 मई से 02 जून) कार्यक्रम का समापन 02 जून को हुआ। आपदा प्रबंधन केंद्रित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), दिल्ली और बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) की साझीदारी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए बीएसडीएमए और एनआईडीएम का आभार जताया और भविष्य में और भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया। इसमें सरकारी अधिकारियों और जेएनयू और डीयू सहित कई अन्य विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। बीएसडीएमए ने इसके आयोजन में तकनीकी सहयोग प्रदान किया। प्राधिकरण की ओर से वरीय सलाहकार श्री दिलीप कुमार ने आपदाओं में बीएसडीएमए की भूमिका और वज्रपात से सुरक्षा विषय पर व्याख्यान दिया।

आईआईटी, पटना से एमओयू विचाराधीन : लब्ध प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के परियोजना प्रस्ताव – बिहार में प्राकृतिक आपदा प्रबंधन के लिए नवीनतम आईओटी और कृत्रिम बुद्धिमता आधारित तकनीकों को अपनाने की सुविधा (Facilitating adoption of IOT&Edge and AI based technologies for natural disaster management in Bihar) – के वित्तीय प्रावधानों में आवश्यक बदलाव हेतु पुनरावलोकन का अनुरोध किया गया। तदुपरांत आईआईटी ने एक संशोधित प्रस्ताव भेजा है। उक्त प्रस्ताव पर आईआईटी, पटना की टीम ने प्राधिकरण के समक्ष एक प्रस्तुतिकरण माननीय उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में दिया। आईआईटी, पटना की तरफ से इस सन्दर्भ में सहमति पत्र (एमओयू) का एक प्रारूप तैयार कर स्वीकृति हेतु दिया गया है, जो प्राधिकरण में विचाराधीन है।

जिलाधिकारियों को पत्र : बिहार स्टेट डिजास्टर रिसोर्स नेटवर्क (बीएसडीआरएन) का मोबाइल एप्प गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर इसका उपयोग किया जा सकता है, इस सन्दर्भ में राज्य के सभी जिलाधिकारियों को बीएसडीएमए की ओर से पत्र भेजा गया है। इसका इस्तेमाल आपदाओं के समय विभिन्न सरकारी तथा रिस्पांस एजेंसियों द्वारा त्वरित रिस्पांस हेतु किया जाता है। आपदा के समय बीएसडीआरएन पर उपलब्ध संसाधन, सामग्री इत्यादि मोबाइल फोन के माध्यम से प्राप्त कर पाना अब आसान होगा। विभिन्न आपदाओं में त्वरित कार्रवाई हेतु बचाव एवं राहत में यह एप्प बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि सभी अधिकारी–कर्मी जो आपदा प्रबंधन से जुड़े हैं बड़ी सुगमता से संसाधन प्राप्त कर पाएंगे।

(M) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर जून माह में राज्य के कुल 501 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 70 सरकारी एवं 431 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

Month June -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise

Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	7	67	74
2	Nalanda	0	0	0	2	0	2
3	Rohtas	0	0	0	8	16	24
4	Bhabhua	0	1	1	0	12	12
5	Bhojpur	0	0	0	1	5	6
6	Buxar	0	0	0	0	8	8
7	Gaya	0	0	0	3	20	23
8	Jehanabad	0	0	0	5	8	13
9	Arwal	0	0	0	0	12	12
10	Nawada	0	0	0	0	10	10
11	Aurangabad	0	0	0	0	5	5
12	Chhapra	0	0	0	0	17	17
13	Siwan	0	0	0	0	15	15
14	Gopalganj	0	0	0	0	4	4
15	Muzaffarpur	0	0	0	5	35	40
16	Sitamarhi	0	0	0	0	8	8
17	Sheohar	0	0	0	3	0	3
18	Bettiah	0	0	0	0	3	3
19	Motihari	0	2	2	1	26	27
20	Vaishali	0	0	0	0	14	14
21	Darbhanga	0	0	0	4	11	15
22	Madhubani	0	0	0	8	8	16
23	Samastipur	0	0	0	9	21	30
24	Saharasa	0	2	2	3	2	5
25	Supaul	0	0	0	1	1	2
26	Madhepura	0	0	0	0	8	8
27	Purnea	0	1	* 1	0	31	31
28	Araria	0	0	0	5	8	13
29	Kishanganj	2	1	3	0	3	3
30	Katihar	0	0	0	3	6	9
31	Bhagalpur	0	0	0	0	17	17
32	Banka	0	0	0	0	0	0
33	Munger	0	0	0	0	1	1
34	Lakhisarai	0	0	0	0	5	5
35	Shekhpura	0	0	0	0	2	2
36	Jamui	0	0	0	0	4	4
37	Khagaria	0	0	0	0	7	7
38	Begusarai	0	1	1	0	3	3
Total		2	8	10	68	423	491

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 9,660 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(N) जून माह की व्यय विवरणी

व्यय विवरणी (जून 2023)		
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	13,24,197
2	कार्यालय व्यय	18,02,585
3	सुरक्षित तैराकी	4,81,509
4	NIDMकार्यशाला	7,035
5	अग्नि सुरक्षा	1,27,461
6	भूकंप सुरक्षा	3,46,190
7	मुख्य मंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	3,300
8	मुद्रण एवं प्रकाशन	6,762
9	जीविका दीदी प्रशिक्षण	5,746
10	दिव्यांगजन प्रशिक्षण	21,879
11	मेला प्रदर्शनी	6,720
12	“इनसे मिलिए”	5,500
13	बिहार दिवस 2023	51,920
14	यात्रा भत्ता	27,562
15	विद्युत	500
16	चिकित्सा	7,845
17	दूरभाष	719
18	वेतन (31-04)	20,31,637
19	जिला आपदा प्रबंधन कार्यक्रम	14,02,128
20	अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र	7,04,137

(O) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

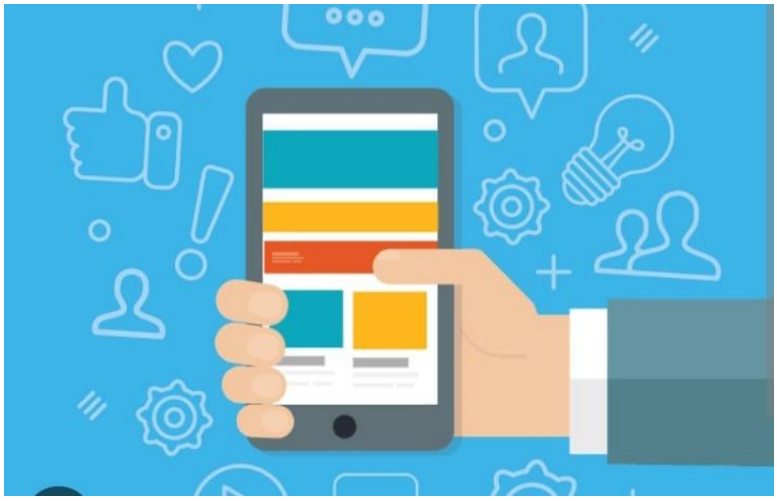

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर, लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील राज्य है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। मई, 2023 में कुल 3895704 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिये वज्रपात और सड़क दुर्घटना से बचाव की जानकारी दी गई।